Roll No. ..... Total Pages : 4

GSM/M-20 **1539**

SANSKRIT (ELECTIVE)

Time Allowed : 3 Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 8×2=16

(i) 'घुणाक्षर न्याय' क्या होता है?

(ii) 'शिवराज विजय' में कितने नि:श्वास हैं?

(iii) नन्दिनी गाय ने राजा दिलीप की परीक्षा करके क्या कहा था?

(iv) सिंह का क्या नाम था वह किसका मित्र था?

(v) उदात्त संज्ञा किसे कहते हैं?

(vi) श्रु धातु का सन्नन्त रूप लिखिए।

(vii) भाववाच्य किसे कहते हैं?

(viii) 'श्रीमान्' शब्द में कौनसा तद्धित प्रत्यय है?

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 5×2=10

(i) तस्या: प्रसन्नेन्दुमुख: प्रसादं गुरुर्नृपाणां गुरवे निवेद्य।
प्रहर्षचिह्नानुमितं प्रियायै शशंस वाचा पुनरूक्तमेव।।

(ii) सेयं स्वदेहार्पणनिष्क्रियेण न्याय्या मया मोचमितुं भवतः।
न पारणा स्याद्विहता तवैवं भवेदलुप्तश्च मुनेः क्रियार्थः।।

(iii) मरूत्प्रयुकताश्च मरूत्सखाभं तमर्च्यमारादभिवर्तमानम्।
अवाकिरन्बाललताः प्रसूनैराचारलाजैरिव पौरकन्याः।।

(ख) राजा दिलीप द्वारा की गयी नन्दिनी की सेवा का वर्णन कीजिए।

अथवा

'रघुवंशम्' के द्वितीय सर्ग की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए। 6

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×5=10

(i) गदा-पातसमकालमेव चानेकार्बुदपद्ममुद्रामूल्यानि रत्नानि मूर्तिमध्यादुच्छलितानि परितोऽवाकीर्यन्तः। स च दग्धमुखः तानि रत्नानि मूर्तिखण्डानि च क्रमेलकपृष्ठेष्वारोप्यत। सिन्धुनदमुत्तीर्य स्वकीयं विजयध्वजिनीं गजिनीं नाम राजधानीं प्राबिशत्।

(ii) एनमेवाऽऽश्रित्य भवति परमेष्ठिनः परार्द्धसङ्ख्या, असावेव चकर्ति बर्भति जर्हर्ति च जगत्, वेदा एतस्यैव वन्दिनः, गायत्री अमुमेव गायति, ब्रह्मनिष्ठ ब्राह्मणाः अमुमेवाहरहरूपतिष्ठन्ते, धन्य एष कुलमूलं श्री रामचन्द्रस्य, प्रणम्य एष विश्वेषामिति उदेष्यन्तं भास्वन्तं प्रणमन् निजवर्णकुटीरात् निश्चक्राम कश्चित् गुरुसेवनपटुर्विप्रबटुः।

(iii) स च ''आम्, ऊरीकृतम् जीवति सः सुखेनैवास्ते'' इत्युदतीतरत्। अथ ''तं कदा द्रक्ष्याम'' इति पुनः पृष्टवति ''तद्विवाहसमये द्रक्ष्यसि'' इत्यभिधाय बहुनिसान्त्वनावचनावचनानि च गम्भीरस्वरेणोक्त्वा, सपदि उपत्यकाम् गण्डशैलान् अधित्यकाञ्चारूह्य पुनस्तस्मिन्नेव पर्वतकन्दरे तपस्तप्तुं जगाम।

(ख) 'शिवराजविजय' के आधार पर सोमनाथ तीर्थ की दुर्दशा का चित्रण कीजिए।

अथवा

ब्रह्मचारी गुरू का चरित्र-चित्रण कीजिए। 6

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए: 5×1=5

(i) त्वया लिख्यते।

(ii) तेन कथितम्।

(iii) सः भोजनं खादति।

(iv) अहं चन्द्रं पश्यामि।

(v) भवता किं कभ्यते।

(vi) अहं किं लिखितवान्।

(vii) शिशुः जलं पिबति।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में तद्धित प्रत्यय लगाइए : 5×1=5

गति+मतुप्, लोभ+इनि, मात्रा+ठक्, देव+त्व, दृढ+तल्, भवत्+छ, कटु+तल्, श्री+मतुप्।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** में णिच् व सन् प्रत्यय लगाइए : 6×1=6

√श्रु+णिच्, √धृ+णिच्, √हन्+णिच्, √पा+णिच्।

√लिख्+सन्, √कृ+सन्, √दा+सन्, √पठ्+सन्।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों का सोदाहरण विवेचन कीजिए: 2×4=8

तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम्, नीचैरनुदात्तः, मुखनासिका-वचनोऽनुनासिकः, हलन्त्यम्।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: 4×2=8

(i) सीता ने गीत सुना।

(ii) चञ्चलता रहने दो।

(iii) मोहन कलम से लिखता है।

(iv) फूलों में कमल श्रेष्ठ है।

(v) पिता पुत्र पर क्रोध करता है।

(vi) पर्वत से जल गिरता है।

(vii) नगर के बाहर एक वाटिका है।

(viii) कर्ण दानवीर था।